Tital Code RAJHIN27802

वागड़ संदेश

जन मन की आवाज

www.wagadsandesh.com

सम्पर्क
ई पेपर मे खबरे व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें
ई मेल editorwagadsandesh@gmail.com
8890633631
9309255545
6351581818

वर्ष-1 | अंक-332 | सागवाड़ा, सोमवार, 22 अगस्त, 2022 | अवधिः हिन्दी ई-पेपर | पृष्ठ-1, मूल्य-10 रु. (वार्षिक)

कड़ाणा की भूमि का नामांतरण खोलने और रजिस्ट्री करने के मामले में सागवाडा तहसीलदार, गिरदावर व पटवारी निलंबित

* कलेक्टर ने की निलंबित करने की कार्रवाई, जांच के भी दिये आदेश
* जमीन का मालिकाना हक़ रखने वाले कड़ाणा विभाग किसी भी कार्यवाही से बच रहा

सागवाड़ा से गुजर रहे नेशनल हाईवे 927 पर डूंगरपुर सागवाड़ा मार्ग पर मुख्य डाकघर के पास स्थित भूमि जिसका नामांतरण खोल रजिस्ट्री की गई थी।

सागवाड़ा। सागवाड़ा कडाणा विभाग की करोडो की भूमि की खरीद फरोत को लेकर सनसनीखेज मामला सामने आया है ।

इस मामले में तहसीलदार मयूर शर्मा, गोवाडी पटवारी राकेश मकवाना और भू अभिलेख निरीक्षक मुकेश भोई भी निलंबित किये गये हैं । तीनो के खिलाफ विभागीय जांच प्रस्तावित होने के चलते कार्रवाई, की गई है । जिला कलेक्टर डॉ इन्द्रजीत यादव ने आदेश जारी किये हैं। जानकारी के अनुसार सागवाड़ा- डूँगरपुर मार्ग पर मुख्य डाकघर के पास स्थित करोड़ो की जमीन का नामान्तरण खोलकर रजिस्ट्री कर सरकारी भूमि हड़पने का प्रयास किया गया है । इधर अब उक्त मामले में फर्जीवाडा सामने आने के बाद सागवाड़ा पुलिस थाने में मामला भी दर्ज कराया गया है। नामांतरण तो निरस्त कर दिया गया है लेकिन कडाणा भूमि की रजिस्ट्री कोर्ट से ही निरस्त हो सकेगी । इधर इस पुरे मामले में जमीन का मालिकाना हक़ रखने वाले कडाणा विभाग की ओर से कोई क़ानूनी कार्रवाई नहीं किये जाने से ना सिर्फ राजस्व विभाग के अधिकारियों की बल्कि कडाणा विभाग की लापरवाही सामने आ रही है ।

राजस्व विभाग शासन उप सचिव ग्रुप 6 का एक आदेश डूंगरपुर जिला कलेक्टर से प्राप्त हुआ था जिसके बाद तहसीलदार द्वारा उक्त भूमि का नामांतरण खोल रजिस्ट्री की गई । पत्र फर्जी होने की जानकारी होने पर नामांतरण निरस्त कर दिया गया है और रजिस्ट्री कोर्ट से ही निरस्त हो सकेगी। इस मामले में एफआईआर की गई है।

– रामचंद्र खटीक, उपखंड अधिकारी, सागवाड़ा ।

उक्त भूमि का नामांतरण खोला जा रहा है यह संज्ञान में आने के बाद 8 अगस्त को कलेक्टर और उच्चाधिकारियों को पत्र लिखकर पुनर्विचार करने का निवेदन किया था । 10 अगस्त को तहसीलदार सागवाड़ा को एक ओर पत्र लिखा था । हाईकोर्ट का फैसला है कि कडाणा की भूमि का नामांतरण किसी ओर के नाम से नहीं खोला जा सकता है ।

– ताराचंद गहलोत, एक्सईएन, कडाणा विभाग सागवाड़ा

कलेक्टर से लगा कर तहसीलदार तक नही पकड़ पाये फर्जी आदेश ओर हो गई रजिस्ट्री !

राजस्व विभाग जयपुर शासन उप सचिव ग्रुप 6 का एक आदेश डूँगरपुर जिला कलेक्टर के नाम 16 जून 2022 को आता है। जिसमे सागवाड़ा में स्थित कडाणा बांध में आवप्त की गई भूमि मूल खतेदारो को लौटाने के निर्देश दिये जाते है । उक्त पत्र 22 जुलाई को उपखण्ड अधिकारी सागवाड़ा को कलेक्टर द्वारा भेजा जाता है । एसडीएम सागवाड़ा से उक्त पत्र 27 जुलाई को सागवाड़ा तहसीलदार के पास पहुंचता है इसके बाद सागवाड़ा तहसीलदार की ओर से 9 अगस्त को उक्त भूमि का नामांतरण खोल कर 10 अगस्त को इसकी विक्रय रजिस्ट्री कर दी जाती है । 16 अगस्त को कलेक्टर को पता चलता है की राजस्व विभाग शासन उप सचिव ग्रुप 6 का आदेश फर्जी है । जिसके बाद कलेक्टर के आदेश पर तहसीलदार सागवाड़ा की ओर से कूटरचित दस्तावेज से नामांतरण व रजिस्ट्री करवाने का मामला दर्ज किया जाता है ।

नामांतरण खोलने और रजिस्ट्री करने में जल्दबाजी

उक्त भूमि के नामांतरण खोलने व रजिस्ट्री करने में जल्दबाजी की गई। राज्य सरकार कडाणा की भूमि पहले ही सागवाड़ा नगरपालिका को सौपने की घोषणा की गई है ।

उक्त भूमि की समस्त जानकारी तहसीलदार को होने के बाद भी इस भूमि की रजिस्ट्री कर देने से पूरा मामला संदिग्ध नज़र आ रहा है।

राज्य सरकार कडाणा की भूमि पहले ही सागवाड़ा नगरपालिका को सौपने की घोषणा के बाद तहसीलदार मयूर शर्मा के निर्देशन में एक एक इंच भूमि का सर्वे करवाया गया था । इसके बाद भी उक्त भूमि के नामांतरण खोलने और रजिस्ट्री करने में जल्दबाजी की गई ।

आखिर बिना जांच क्यो खोल दिया नामांतरण ?

सागवाड़ा में कडाणा की बेशकीमती भूमि के नामांतरण को लेकर निकले आदेश की जानकारी कडाणा विभाग को मिलने पर 8 अगस्त को उन्होंने कलेक्टर व एसडीएम सागवाड़ा को एक पत्र लिखा था जिसमे उप शासन सचिव की ओर से दिये गये निर्देश पर पुनर्विचार करने का निवेदन किया था । उक्त पत्र में यह भूमि कडाणा विभाग की है उसकी तथ्यात्मक टिप्पणी की गई थी । इसके बाद भी 9 अगस्त को ही गोवाडी पटवारी राकेश मकवाना और गिरदावर मुकेश भोई ने करोड़ो की सरकारी भूमि का नामांतरण निजी व्यक्ति के नाम खोल दिया और 10 अगस्त को तहसीलदार द्वारा बेचान रजिस्ट्री कर दी गई ।

कूटरचित दस्तावेज से नामान्तरकरण एवं विकय विलेख पंजीबद्ध का मामला

कूटरचित दस्तावेज के माध्यम से नामान्तरकरण एवं विकय विलेख पंजीबद्ध कराने पर मामला दर्ज कराया । पुलिस निरीक्षक शैलेन्द्रसिंह के अनुसार तहसीलदार मयूर शर्मा ने मामला दर्ज कराते हुए बताया कि राजस्व विभाग की ओर से 16 अगस्त, 2022 को अवगत कराया कि पूर्व में जारी विभाग का आदेश 16 जून, 2022 को विभाग की ओर से जारी नहीं किया गया है एवं न ही उस पर शासन उप सचिव के हस्ताक्षर है । उक्त कूटरचित आदेश शासन उप सचिव 16 जून, जिला कलक्टर के 22 जुलाई व उपखण्ड अधिकारी के 27 जुलाई को नामान्तरकरण संख्या 729 नौ अगस्त को सागवाड़ा निवासी नजमा पुत्री उमर खां घाची व फातेमा पुत्री उमर खां घाची एवं विक्रय विलेख 10 अगस्त के आधार पर आसपुर तहसील के रामा निवासी हरिसिंह पुत्र रामसिंह चौहान के पक्ष में निष्पादित कराया गया है । मामले की जांच एसआई मणिलाल के जिम्मे की ।

करीब 30 करोड़ की है ये जमीन

कूटरचित दस्तावेज के माध्यम से खरीदी जा रही इस भूमि का बाज़ार मूल्य करीब 30 करोड़ रूपये बताई जा रहा है । यह भूमि सागवाड़ा से गुजर रहे नेशनल हाईवे 927 पर डूंगरपुर सागवाड़ा मार्ग पर मुख्य डाकघर के पास स्थित है ।

वागड में श्रावण मास के अंतिम सोमवार को शिवालयो में उमड़े शिव भक्त

बांसिया में कावड़ियो ने कांवड़ यात्रा निकालकर शिव का किया अभिषेक

सीमलवाडा। प्रदेश के वागड़ अंचल डूंगरपुर व बाँसवाड़ा में गुजराती पंचांग के अनुसार श्रावण मास चल रहा है। इधर श्रावण मास के आज अंतिम सोमवार को शिवालयो में शिव भक्तो की भीड़ उमड़ी। इस मौके पर बांसिया में कांवडियो ने पवित्र जल के साथ कांवड़ यात्रा निकालकर बांसिया मंगलेश्वर महादेव मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक किया। इस दौरान मंदिर परिसर भगवान शिव के जयकारो से गूंज उठा। दरअसल प्रदेश के वागड अंचल डूंगरपुर व बांसवाडा जिले में गुजराती पंचांग के अनुसार श्रावण मास मनाया जाता है। जिसके तहत आज श्रावण मास का अंतिम सोमवार है। श्रावण के अंतिम सोमवार को डूंगरपुर जिले के बांसिया स्थित मंगलेश्वर महादेव मंदिर सहित देवसोमनाथ, बेणेश्वर शिव मंदिर सहित अन्य शिवालयो में शिव भक्तो भीड़ उमड़ी। शिव भक्तो ने भगवान शिव का अभिषेक करते हुए पूजा-अर्चना की। वही इसी के तहत बांसिया में आरासुरी नवयुवक मंडल की ओर से कावड़ यात्रा निकाली गई। मंडल अध्यक्ष महावीर सिंह राठौड़, भूपेंद्र सिंह चौहान, गुणवंत कलाल, दिनेश कलाल, जितेंद्र दर्जी, अजीत सिंह चुंडावत, नेपाल सिंह झाला के सानिध्य में कावड़ यात्रा निकाली गई।

कांवडीए बेडसी गंगा पहुंचे जहा पर गौ मुख से कुंड में गिर रहे पवित्र जल को कांवड़ में भरा। कुंड से 21 कावड़ 42 घट में गंगाजल भरकर पैदल कावड़ यात्रा रवाना हुई । 6 किमी तक मुख्य मार्ग होते हुए कावड़ यात्रा बांसिया मंगलेश्वर महादेव मंदिर पहुंची। इस दौरान बम-बम भोले, हर-हर महादेव के जयकारे गूंज उठे। इधर कावड़ यात्रा बांसिया मुख्य गांव में पहुंचने पर ग्रामीणों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। इसके बाद पवित्र जल से मंगलेश्वर महादेव मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक कर क्षेत्र की खुशहाली एवं अच्छी बारिश की कामना की गई। वही इसके बाद महाआरती व प्रसादी वितरण किया गया।

लूटपाट की वारदात का खुलासा, 2 लूटेरे गिरफ्तार, लूटी स्कूटी बरामद

डूंगरपुर। विश्व आदिवासी दिवस के दिन लूटपाट की वारदात का बिछीवाड़ा थाना पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने 2 लूटेरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से लूटी हुई बाइक जब्त कर ली है। बिछीवाड़ा थानाधिकारी रणजीत सिंह ने बताया की 10अगस्त को प्रवीण पुत्र शंकर गमेती निवासी पालपादर ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। इसमें बताया की वह 9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस के दिन सेरावाड़ा से पालपादर जा रहा था। आमलिया के पास पहुंचते ही पीछे से एक बाइक पर 3 बदमाश आए। बदमाशो ने स्कूटी के आगे उनकी बाइक आड़े लगा दी। बदमाशो ने उसे रोककर मारपीट की ओर स्कूटी लूटकर ले गए। घटना को लेकर पुलिस ने केस दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी। इस दौरान पुलिस ने रात के समय सुनसान सड़कों पर पथराव करने वाले और बदमाशो पर निगरानी रखना शुरू किया। पुलिस को कई खास सुराग मिले। इस पर पुलिस ने मुकेश (18) पुत्र कांतिलाल कलासुआ निवासी पालपादर फला आमलिया और सुभाष (19) पुत्र गटू गमेती को हिरासत में लेकर पूछताछ की। दोनो ही आरोपियों ने लूटपाट की वारदात करना कबूल कर लिया। इस पर पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार करते हुए उनके कब्जे से लूटी गई स्कूटी बरामद कर ली है। वही लूटपाट की वारदात में प्रयुक्त आरोपियों की बाइक को भी जब्त कर लिया है।

पेट में दर्द पर नाबालिग हुई अस्पताल में भर्ती, महीने के मृत बच्चे को दिया जन्म

अज्ञात दो युवकों पर दोवड़ा थाने में मामला दर्ज़

आसपुर। डूंगरपुर जिले के दोवडा थाना क्षेत्र में दुष्कर्म की शिकार हुई एक किशोरी के गर्भवती होने और उसके द्वारा। माह के मृत शिशु को जन्म देने का मामला सामने आया है। पेट में दर्द की शिकायत के चलते नाबालिग को ज़िला अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। जिसके बाद उसने। माह के मृत शिशु का जन्म दिया था। पीड़िता के पिता ने दोवड़ा थाने में 2 अज्ञात युवकों के खिलाफ़ मामला दर्ज़ करवाया है। पुलिस ने मृत बच्चे का डीएनए सैंपल लिया हैं।

डूंगरपुर जिले के दोवडा थाने के थानाधिकारी कमलेश चौधरी ने बताया की वरदा थाना क्षेत्र के एक गांव की नाबालिग को पेट में दर्द होने की शिकायत होने पर उसके के माता पिता ने ज़िला अस्पताल में भर्ती करवाया था। जहां उसकी जांच करने पर उसके। महीने की गर्भवती होने की बात सामने आई। बेटी को गर्भवती होने की ख़बर सुन माता - पिता के पैर के तेल जमीन खिसक गई। किशोरी ने ज़िला अस्पताल में। महीने की मृत बच्चे को जन्म दिया। इसके बाद डॉक्टरों घटना की सूचना पुलिस को दी। सुचना पर वरदा थाना पुलिस डूंगरपुर जिला अस्पताल पहुंची और पीड़ित से घटनाक्रम की जानकारी ली तो दुष्कर्म की वारदात सामने आई। पीड़िता से पुलिस की पुछताछ सामने की पिछली होली के त्यौहार के पहले वो और उसका भाई हड़मतिया मंदिर दर्शन करने के लिए गए थे । दर्शन कर वो अकेली पैदल घर लोट रही थी। इस दौरान घाटी घड़ा के पास दो युवकों उसे बुलाया उसे पकड़कर जंगल में ले जाकर एक युवक ने निगरानी रखी दूसरे यूवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया। दुष्कर्म करने के बाद युवकों ने दुष्कर्म की बात को किसी बताने पर जान से मारने की धमकी दी थी । जिस पर नाबालिग डर के मारे परिजनों को घटना की जानकारी नहीं दी।

इधर घटनाक्रम दोवडा थाना क्षेत्र में होने पर दोवडा थाना पुलिस को सुचना दी गई। सुचना पर दोवडा थाना जिला अस्पताल पहुंची। दोवडा थाना पुलिस ने किशोरी के पिता की रिपोर्ट पर दो अज्ञात युवको के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। वही पुलिस ने मृत बच्चे का डीएनए सैंपल लिया है। वही दोवड़ा थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

छात्रसंघ चुनाव का संग्राम, ढोल-नगाडो के साथ उम्मीदवारों ने दाखिल किये नामांकन

संस्कृत कॉलेज पीठ में बीपीवीएम के उम्मीदवार हुए निर्विरोध निर्वाचित

डूंगरपुर । कोरोना की वजह से 2 साल बाद हो रहे छात्रसंघ चुनावो को लेकर डूंगरपुर जिले के छात्र संगठनों व कॉलेज विद्यार्थियों स्टूडेंट में उत्साह है। छात्रसंघ चुनावो को लेकर डूंगरपुर जिले के सबसे बड़े एसबीपी कॉलेज, वीर बाला कालीबाई कन्या कॉलेज, सागवाडा भीखाभाई कॉलेज में विभिन्न छात्र संगठनों के उम्मीदवारों ने ढोल-नगाडो के साथ अपने-अपने नामांकन दाखिल किये। वही संस्कृत कॉलेज पीठ में अन्य नामांकन नहीं आने से बीपीवीएम के उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हुए है। वही सीमलवाडा कॉलेज में भी अध्यक्ष पद को छोड़कर अन्य पदों पर भी बीपीवीएम के उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हुए है। डूंगरपुर जिले में नामांकन के साथ छात्रसंघ चुनाव की रणभेरी बज गई है। डूंगरपुर जिला मुख्यालय पर जिले के सबसे बड़े एसबीपी कॉलेज व वीर काली बाई कन्या कॉलेज के साथ सागवाडा भीखाभाई कॉलेज, विभिन्न छात्र संगठनों के उम्मीदवारों ने अपने नामांकन दाखिल किये। उम्मीदवार ढोल नगाडो और अपने समर्थको के साथ कालेजो में पहुंचे और अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव व संयुक्त सचिव पदों पर अपने-अपने नामांकन दाखिल किये। डूंगरपुर जिले के सबसे बड़े एसबीपी कॉलेज में वर्ष 2016 से अपना कब्ज़ा जमाये हुए भील प्रदेश विद्यार्थी मोर्चा (बीपीवीएम) व एबीवीपी, एनएसयूआई और एसएफआई के बीच चतुष्कोणीय मुकाबला होगा। लम्बे समय से एसबीपी कॉलेज में छात्रसंघ पर काबिज बीपीवीएम को हारने के लिए इस वर्ष एबीवीपी व एनएसयूआई एडी चोटी का जोर लगा रही है। इसी तरह शहर के वीर बाला कालीबाई कन्या कॉलेज में भी भील प्रदेश विद्यार्थी मोर्चा (बीपीवीएम) व एबीवीपी, एनएसयूआई और एसएफआई के बीच चतुष्कोणीय मुकाबला होगा।

जंगल के रास्ते 3 लाख की अवैध शराब और 2.29 लाख कैश तस्करी करते पकड़ी स्विफ्ट कार, आरोपी फरार

डूंगरपुर। जंगल के रास्ते गुजरात में शराब तस्करी के खिलाफ डीएसटी और बिछीवाड़ा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। डीएसटी ने एक स्विफ्ट कार से 3 लाख की अंग्रेजी शराब के साथ ही 2 लाख रुपए से ज्यादा का कैश पकड़ा है। जबकि शराब तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गया। पुलिस अब पूरे मामले की जांच में जुटी है। डीएसटी प्रभारी डीएसपी मनोज सामरिया ने बताया की एसपी राशि डोगरा की ओर से अवैध शराब तस्करी के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत पुलिस को मुखबिर के जरिए सूचना मिली की बिछीवाड़ा में जंगल के रास्ते शराब की तस्करी हो रही है। इस पर डीएसटी से हेड कांस्टेबल अरविंद कुमार, राजकुमार, लक्ष्मण सिंह, राकेश कुमार और भूपेंद्र कुमार की टीम ने तलैया, मोदर जंगल के रास्ते में नाकाबंदी कर दी। इस दौरान मुखबिर के बताएं अनुसार एक स्विफ्ट कार आते हुए नजर आई जिसे रुकने का इशारा किया तो नाकाबंदी तोड़कर तेज रफ्तार भगाने लगा। पुलिस ने पीछा किया तो आगे जाकर कार को जंगल में छोड़कर तस्कर भाग गया। डीएसटी ने तस्कर का पीछा किया लेकिन अंधेरा होने से पता नही लग सका। पुलिस ने कार की तलाशी ली तो 3 लाख रुपए की अवैध अंग्रेजी शराब भरी हुई मिली। वही कार से 2 लाख 29 हजार रुपए का कैश भी बरामद हुआ है।

ग्राम विकास अधिकारी संघ का नया नहीं न्याय चाहिए आन्दोलन शुरू

ब्लाक स्तर पर ग्राम विकास अधिकारियो ने किया प्रदर्शन, बीडीओ को दिया सीएम के नाम ज्ञापन

सागवाडा। डूंगरपुर जिले के ग्राम विकास अधिकारी संघ ने अपनी मांगो को लेकर वादाखिलाफी आन्दोलन के तहत आज से नया नहीं न्याय चाहिए आन्दोलन शुरू किया है। जिसके तहत डूंगरपुर जिले के सागवाडा ब्लाक सहित सभी ब्लाक स्तर पर ग्राम विकास अधिकारियो ने प्रदर्शन किया। वही पंचायत समितियों के विकास अधिकारियो को सीएम के नाम ज्ञापन सौपा। ज्ञापन में संघ ने मांगो को लेकर हुए लिखित समझोतों को लागु करने की मांग की है। राज्य सरकार द्वारा ग्राम विकास अधिकारियो की मांगो पर लिखित समझोते के बाद भी मांगो को पूरा नहीं करने पर ग्राम विकास अधिकारी संघ का वादा खिलाफी आन्दोलन चल रहा है। इसी आन्दोलन के तहत नया नहीं न्याय चाहिए चरण आज से शुरू हुआ। जिसके तहत ग्राम विकास अधिकारियो को प्रत्येक ब्लाक स्तर पर अपनी मांगो को लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। वही पंचायत समितियों के विकास अधिकारियो को सीएम के नाम ज्ञापन सौपे। इस मौके पर ग्राम विकास अधिकारी संघ के जिला अध्यक्ष राहुल भील ने बताया की ग्राम विकास अधिकारियो की विभिन्न मांगो को लेकर 18 माह में तीन बार समझोते हो चुके है। जिसमे 17 मार्च 2021 को मुख्यमंत्री कार्यालय में उच्च स्तरीय समझोता हुआ।

इसके बाद एक अक्टूबर 2021 को समझोता हुआ। वही 11 दिसम्बर 2021 को मुख्यमंत्री के साथ ग्राम विकास अधिकारियो की मांगो को लेकर लिखित समझोता हुआ। ग्राम विकास अधिकारी संघ के जिला अध्यक्ष राहुल भील ने बताया की तीन समझोते होने के बाद भी अभी तक सरकार ने समझोते के साथ मांगो को पूरा नहीं किया है।